Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा – 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार – 1

अध्याय – 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग – 15

अभ्यास प्रश्न - I

रूचिका सैनी



लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय में नाबालिग की स्थिति की साझेदारी फर्म में उसकी स्थिति से तुलना कीजिए।

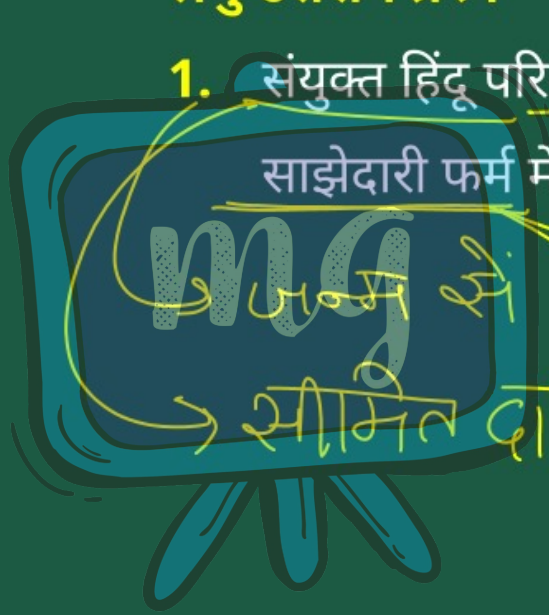

अभ्यास प्रश्न



लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय में नाबालिग की स्थिति की साझेदारी फर्म में उसकी स्थिति से तुलना कीजिए।

उत्तर : संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय में कोई भी व्यक्ति जन्म से सदस्य बन जाता है, जिसमें नाबालिग पुत्री भी सह-समांशी संपत्ति में हिस्सा रखती है। जबकि साझेदारी फर्म में सदस्यता अनुबंध के माध्यम से प्राप्त होती है, अत: नाबालिग साझेदार नहीं बन सकता जब तक कि उसका प्रतिनिधित्व कोई अभिभावक न करे।

अभ्यास प्रश्न



2. यदि पंजीयन ऐच्छिक है तो साझेदारी फर्म स्वयं को पंजीकृत कराने के लिए वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए क्यों इच्छुक रहती हैं? समझाइए।







2. यदि पंजीयन ऐच्छिक है तो साझेदारी फर्म स्वयं को पंजीकृत कराने के लिए वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए क्यों इच्छुक रहती हैं? समझाइए।

उत्तर : पंजीयन ऐच्छिक होने पर भी साझेदारी फर्म इसलिए पंजीकृत होना चाहती है क्योंकि अपंजीकृत फर्म के साझेदार न तो अन्य साझेदारों के विरुद्ध और न ही तृतीय पक्षों के विरुद्ध मुकदमा कर सकते हैं। साथ ही, फर्म स्वयं भी न्यायालय में मुकदमा नहीं कर सकती।

3. एक निजी कंपनी को उपलब्ध महत्वपूर्ण सुविधाओं को बताइए।





3. एक निजी कंपनी को उपलब्ध महत्वपूर्ण सुविधाओं को बताइए।

उत्तर : एक निजी कंपनी को सीमित दायित्व, स्थायी अस्तित्व, स्वतंत्र कानूनी अस्तित्व, और पूंजी जुटाने की बेहतर सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। इसे न्यूनतम दो सदस्यों द्वारा स्थापित किया जा सकता है, और शेयर स्थानांतरण पर प्रतिबंध होता है।



4. सहकारी समिति किस प्रकार जनतांत्रिक एवं धर्म-निरपेक्षता का आदर्श प्रस्तुत करती है?





4. सहकारी समिति किस प्रकार जनतांत्रिक एवं धर्म-निरपेक्षता का आदर्श प्रस्तुत करती है?

उत्तर : सहकारी समिति में सदस्यता स्वैच्छिक और सभी के लिए खुली होती है। सदस्य धर्म, जाति या लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना संगठन का हिस्सा बन सकते हैं। सदस्यों को लोकतांत्रिक ढंग से चुने जाते हैं, जिससे यह धर्म-निरपेक्षता और जनतंत्र का आदर्श प्रस्तुत करती है।



5. 'प्रदर्शन द्वारा साझेदार' का क्या अर्थ है? समझाइए।

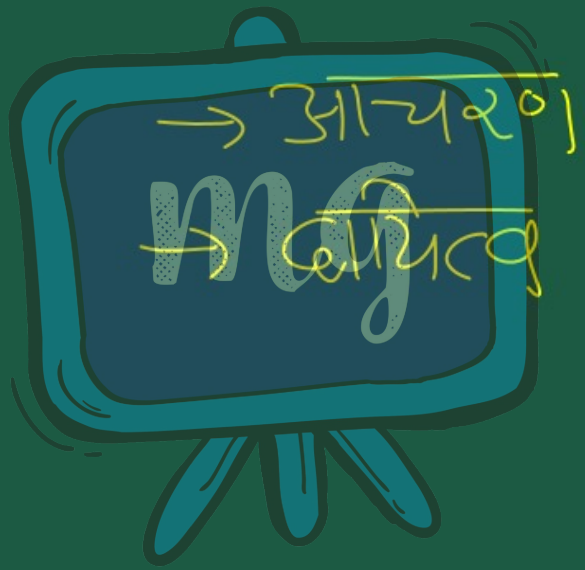



5. 'प्रदर्शन द्वारा साझेदार' का क्या अर्थ है? समझाइए।

उत्तर : 'प्रदर्शन द्वारा साझेदार' का अर्थ है कि प्रत्येक साझेदार अपने क्रियाकलापों और निर्णयों के लिए अन्य साझेदारों को बाध्य करता है। जब कोई साझेदार किसी तीसरे पक्ष से अनुबंध करता है, तो यह समझा जाता है कि उसने सभी साझेदारों की ओर से कार्य किया है।

अभ्यास प्रश्न



6. 50 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी करें।

(क) कर्ता

(ख) सार्वमुद्रा

(ग) कृत्रिम व्यक्ति

(घ) शाश्वत उत्तराधिकार





6. 50 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी करें।

(क) कर्ता (ख) सार्वमुद्रा

(ग) कृत्रिम व्यक्ति (घ) शाश्वत उत्तराधिकार

उत्तर :

(क) कर्ता : संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय में 'कर्ता' परिवार का सबसे वरिष्ठ सदस्य होता है, जो व्यवसाय का संचालन करता है। उसके पास संपूर्ण नियंत्रण और निर्णय लेने का अधिकार होता है। उसका दायित्व असीमित होता है, जबकि अन्य सदस्यों का सीमित होता है।



(ख) सार्वमुद्रा : सार्वमुद्रा कंपनी की ऐसी मोहर है जिसे कंपनी के हस्ताक्षर भी कहते है। इसे कंपनी के नाम और पहचान का प्रतीक माना गया है।

(ग) कृत्रिम व्यक्ति : कंपनी एक "कृत्रिम वैधानिक व्यक्ति" होती है, जिसका अस्तित्व कानून द्वारा निर्मित होता है। यह स्वयं अनुबंध कर सकती है, मुकदमा कर सकती है और उस पर मुकदमा चल सकता है। इसका अस्तित्व इसके सदस्यों से अलग और स्वतंत्र होता है।



(घ) शाश्वत उत्तराधिकार : कंपनी में "शाश्वत उत्तराधिकार" का अर्थ है कि उसके सदस्य की मृत्यु होने या हटने पर भी कंपनी का अस्तित्व बना रहता है। यह संस्था तब तक चलती है जब तक उसे कानूनी रूप से समाप्त न किया जाए, जिससे इसकी निरंतरता सुनिश्चित होती है।